Nai Duniya Edition Delhi
28.1.2017 Page 9
Height 15.01cm Width 8.84 cm

बचत का बड़ा हिस्सा घरेलू गैस सबसिडी से आया

आधार पंजीयन से 2 साल में 36,144 करोड़ की बचत

नई दिल्ली। एजेंसी

गणतंत्र दिवस के दिन तक देशभर में आधार पंजीयन का आंकड़ा 11.1 करोड़ तक पहुंच गया। इसे कई योजनाओं से जोड़ने के कारण पिछले दो वर्षों में केंद्र तथा राज्यों को 36,144 करोड़ रुपए की बचत हुई है। यह जानकारी शुक्रवार को केंद्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) मंत्री रवि शंकर प्रसाद ने दी।

बचत का एक बड़ा हिस्सा घरेलू गैस सबसिडी से आया है। सरकार की 'पहल' योजना के तहत गैस उपभोक्ताओं को सबसिडी आधार से जुड़े उनके खाते में सीधे ट्रांसफर (अंतरित) की जाती है। पहल योजना से साल 2014-15 में 14,672 करोड़ तथा 2015-16 में 6,912 करोड़ रुपए की बचत हुई।

रवि शंकर प्रसाद ने बताया कि आधार पंजीयन के लिए 135 रजिस्ट्रार तथा 612 पंजीयन एजेंसियां 47,192 केंद्रों पर काम करती हैं और रोजाना 7-8 लाख लोगों का पंजीयन तथा अपडेशन किया जा रहा है।

उनके मुताबिक 31 मई, 2014 तक 63.22 करोड़ लोगों का आधार

पंजीयन हुआ था। इसमें अक्टूबर 2016 तक रोजाना करीब 3-4 लाख लोगों का पंजीयन तथा अपडेशन होता रहा लेकिन नोटबंदी के बाद आधार पंजीयन तथा अपडेशन के आग्रह का आंकड़ा औसतन 7-8 लाख रोजाना हो गया। निजता का उल्लंघन और डाटा सुरक्षा को लेकर उठाई जा रही आशंकाओं को खारिज करते हुए उन्होंने कहा कि सरकार इस बात को लेकर सतर्क है। सरकार इसकी चिंता कर रही है। आधार-2016 एक्ट में निजता और डाटा की सुरक्षा के कड़े प्रावधान हैं।

उन्होंने बताया कि अभी तक 47 करोड़ बैंक खातों को आधार से जोड़ा जा चुका है। खातों को आधार से जोड़ने का मौजूदा दर करीब 1.8 करोड़ प्रतिमाह है, जो नोटबंदी से पहले 60 लाख प्रतिमाह था।